पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.06.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

राष्ट्रीय आर्य युवक शिविर

उद्घाटनः शनिवार, 10 जून 2017
सायं 5 से 7.30 तक
एवम्
समापन समारोहः रविवार, 18 जून 2017
प्रातः 11 से 1.30 तक
स्थानःऐमिटी कैम्पस,
सैक्टर–44,नोएडा
युवकों को आशीर्वाद देने
आप सपरिवार अवश्य पंहुचे

वर्ष-34 अंक-01 ज्येष्ठ-2074 दयानन्दाब्द 193 01 जून से 15 जून 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.06.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का निमन्त्रण व अपील

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्ते। गत् वर्षो की भांति इस वर्ष भी आपकी प्रिय संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने के लिए शनिवार 10 जून से रविवार 18 जून 2017 तक **''युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर''** का रचनात्मक आयोजन **ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर-44, नोएडा में कर रही है।**

इन शिविरों के माध्यम से ही सुलझे हुए व ठोस कार्यकर्ता आर्य समाजों को मिलते हैं। हमारी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने व अपनी आर्य समाज के युवकों को शिविर में अवश्य ही भेजें। **उद्घाटन समारोह शनिवार 10 जून** को सायं 5.00 से 7.00 बजे तक होगा तथा **शिविर समापन समारोह रविवार 18 जून** को प्रातः 11 बजे से 1.30 तक सम्पन्न होगा। इसके साथ ही प्रतिदिन रात्रि 8.45 से 9.45 बजे तक सरदार श्री सुरेन्द्रसिंह गुलशन के मधुर भजनों का कार्यक्रम भी सभी आर्य बन्धुओं के लिए चलेगा।

अतः आप से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त कार्यक्रमों में अपने इष्ट मित्रों व परिवार सहित स्पेशन बसों या मैटाडोर द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर आर्य युवकों का उत्साहवर्धन करें। समारोह के पश्चात दोनों ऋषि लंगर का प्रबन्ध रहेगा।

आप जानते ही हैं कि इस विशाल आयोजन में आर्य युवकों के दस दिन तक तीन समय के प्रातः राशि तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रूपये व्यय होगा। यह सब आपके प्रेम व सहयोग से ही पूरा होना है। अतः आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से व्यक्तिगत, अपनी आर्य समाज या संस्था की ओर से अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करवाने की कृपा करें।

आप समस्त क्रॉस चैक, ड्राफ्ट, मनीआर्डर **''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'** के नाम से मुख्य कार्यालय- **आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007** के पते पर भिजवाने की कृपा करें। आप अपना सहयोग **खाता संख्या 10205148690,** एस.बी.आई. घंटाघर, दिल्ली-110007, आई.एफ.एस.सी. कोड SBIN0001280 में सीधे जमा करवा सकते हैं।

आप ''ऋषि लंगर'' के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, दलिया, सब्जी, पाउडर दूध, शुद्ध घी, रिफाइन्ड के रूप में खाद्य सामग्री भिजवा कर भी सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे। आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ

डा.अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामन्त्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

दलित उद्धारक के रूप में वीर सावरकर

– डॉ. विवेक आर्य

क्रांतिकारी वीर सावरकार का स्थान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना ही एक विशेष महत्व रखता है। सावरकर जी पर लगे आरोप भी अद्वितीय थे उन्हें मिली सजा भी अद्वित्य थी। एक तरफ उन पर आरोप था कि अंग्रेज सरकार के विरुद्ध युद्ध की योजना बनाने का, बम बनाने का और विभिन्न देशों के क्रांतिकारियों से सम्पर्क करने का तो दूसरी तरफ उनको सजा मिली थी पूरे 50 वर्ष तक दो सश्रम आजीवन कारावास। इस सजा पर उनकी प्रतिक्रिया भी अद्वितीय थी कि ईसाई मत को मानने वाली अंग्रेज सरकार कब से पुनर्जन्म अर्थात दो जन्मों को मानने लगी। वीर सावरकर को 50 वर्ष की सजा देने के पीछे अंग्रेज सरकार का मंतव्य था कि उन्हें किसी भी प्रकार से भारत अथवा भारतीयों से दूर रखा जाये। जिससे वे क्रांति की अग्नि को न भड़का सके। सावरकर के लिए शिवाजी महाराज प्रेरणा स्रोत थे। जिस प्रकार औरंगजेब ने शिवाजी महाराज को आगरे में कैद कर लिया था उसी प्रकार अंग्रेज सरकार ने भी वीर सावरकर को कैद कर लिया था। जैसे शिवाजी महाराज ने औरंगजेब की कैद से छुटने के लिए अनेक पत्र लिखे उसी प्रकार से वीर सावरकर ने भी अंग्रेज सरकार को पत्र लिखे। जब उनकी अंडमान की कैद से छुटने की योजना असफल हुई, जब उसे अनसुना कर दिया गया। तब वीर शिवाजी की तरह वीर सावरकर ने भी कूटनीति का सहारा लिया क्यूंकि उनका मानना था अगर उनका सम्पूर्ण जीवन इसी प्रकार अंडमान की अँधेरी कोठरियों में निकल गया तो उनका जीवन व्यर्थ ही चला जायेगा। इसी रणनीति के तहत उन्होंने सरकार से सशर्त मुक्त होने की प्रार्थना की, जिसे सरकार द्वारा मान तो लिया गया। उन्हें रत्नागिरी में 1924 से 1937 तक राजनितिक क्षेत्र से दूर नजरबंद रहना था। विरोधी लोग इसे वीर सावरकर का माफीनामा, अंग्रेज सरकार के आगे घुटने टेकना और देशद्रोह आदि कहकर उनकी आलोचना करते हैं जबकि यह तो आपातकालीन धर्म अर्थात कूटनीति थी।

मुस्लिम तुष्टिकरण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने अंडमान द्वीप के कीर्ति स्तम्भ से वीर सावरकर का नाम हटा दिया और संसद भवन में भी उनके चित्र को लगाने का विरोध किया। जीवन भर जिन्होंने अंग्रेजों की यातनाये सही मृत्यु के बाद उनका ऐसा अपमान करने का प्रयास किया गया। उनका विरोध करने वालों में कुछ दलित वर्ग की राजनीती करने वाले नेता भी थे। जिन्होंने अपनी राजनीतिक महत्वकांशा को पूरा करने के लिए उनका विरोध किया था। दलित वर्ग के मध्य कार्य करने का वीर सावरकर का अवसर उनके रत्नागिरी प्रवास के समय मिला। 8 जनवरी 1924 को सावरकर जी रत्नागिरी में प्रविष्ट हुए तो उन्होंने घोषणा कि की वे रत्नागिरी दीर्घकाल तक आवास करने आए है और छुआछुत समाप्त करने का आन्दोलन चलाने वाले है। उन्होंने उपस्थित सज्जनों से कहाँ कि अगर कोई अछूत वहां हो तो उन्हें ले आये और अछूत महार जाति के बंधुयों को अपने साथ बैल गाड़ी में बैठा लिया। पठाकगन उस समय में फैली जातिवाद की कूप्रथा का सरलता से आंकलन कर सकते है कि जब किसी भी शुद्र को सवर्ण के घर में प्रवेश तक निषेध था। नगर पालिका के भंगी को नारियल की नरेटी में चाय डाली जाती थी। किसी भी शुद्र को नगर की सीमा में धोती के स्थान पर अंगोछा पहनने की ही अनुमति थी। रास्ते में महार की छाया पड़ जाने पर अशौच की पुकार मच जाती थी। कुछ लोग महार के स्थान पर बहार बोलते थे जैसे की महार कोई गाली हो। यदि रास्ते में महार की छाया पड़ जाती थी तो ब्रह्मण लोग दोबारा स्नान करते थे। न्यायालय में साक्षी के रूप में महार को कटघरे में खड़े होने की अनुमति न थी। इस भंयकर दमन के कारण महार समाज का मानो साहस ही समाप्त हो चूका था।

इसके लिए सावरकर जी ने दलित बस्तियों में जाने का, सामाजिक कार्यों के साथ साथ धार्मिक कार्यों में भी दलितों के भाग लेने का और सवर्ण एवं दलित दोनों के लिए पतितपावन मंदिर की स्थापना का निश्चय लिया गया। जिससे सभी एक स्थान पर साथ साथ पूजा कर सके और दोनों के मध्य दूरियों को दूर किया जा सके।

1. रत्नागिरी प्रवास के 10–15 दिनों के बाद में सावरकर जी को मढ़िया में हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला। उस मंदिर के देवल पुजारी से सावरकर जी ने कहाँ की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में दलितों को भी आमंत्रित किया जाये।जिस पर वह पहले तो न करता रहा पर बाद में मान गया। श्री मोरेश्वर दामले नामक किशोर ने सावरकार जी से पूछा कि आप इतने साधारण मनुष्य से व्यर्थ इतनी चर्चा क्यूँ कर रहे थे? इस पर सावरकर जी ने कहाँ कि

"सैंकड़ों लेख या भाषणों की अपेक्षा प्रत्यक्ष रूप में किये गए कार्यों का परिणाम अधिक होता है। अबकी हनुमान जयंती के दिन तुम स्वयं देख लेना।"

2. 29 मई 1929 को रत्नागिरी में श्री सत्य नारायण कथा का आयोजन किया गया जिसमे सावरकर जी ने जातिवाद के विरुद्ध भाषण दिया जिससे की लोग प्रभावित होकर अपनी अपनी जातिगत बैठक को छोड़कर सभी महार– चमार एकत्रित होकर बैठ गए और सामान्य जलपान हुआ।

3. 1934 में मालवान में अछूत बस्ती में चायपान , भजन कीर्तन, अछूतों को यज्ञपवीत ग्रहण, विद्यालय में समस्त जाति के बच्चों को बिना किसी भेदभाव के बैठाना, सहभोज आदि हुए।

4. 1937 में रत्नागिरी से जाते समय सावरकर जी के विदाई समारोह में समस्त भोजन अछूतों द्वारा बनाया गया जिसे सभी सवर्णों– अछूतों ने एक साथ ग्रहण किया था।

5. एक बार शिरगांव में एक चमार के घर पर श्री सत्य नारायण पूजा थी जिसमे सावरकर जो को आमंत्रित किया गया था। सावरकार जी ने देखा की चमार महोदय ने किसी भी महार को आमंत्रित नहीं किया था। उन्होंने तत्काल उससे कहाँ की आप हम ब्राह्मणों के अपने घर में आने पर प्रसन्न होते हो पर में आपका आमंत्रण तभी स्वीकार करूँगा जब आप महार जाति के सदस्यों को भी आमंत्रित करेंगे। उनके कहने पर चमार महोदय ने अपने घर पर महार जाति वालों को आमंत्रित किया था।

6. 1928 में शिवभांगी में विट्ठल मंदिर में अछुतों के मंदिरों में प्रवेश करने पर सावरकर जी का भाषण हुआ।

7. 1930 में पतितपावन मंदिर में शिवू भंगी के मुख से गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ ही गणेशजी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

8. 1931 में पतितपावन मंदिर का उद्घाटन स्वयं शंकराचार्य श्री कूर्तकोटि के हाथों से हुआ एवं उनकी पाद्यपूजा चमार नेता श्री राज भोज द्वारा की गयी थी। वीर सावरकर ने घोषणा करी की इस मंदिर में समस्त हिंदुओं को पूजा का अधिकार है और पुजारी पद पर गैर ब्राह्मण की नियुक्ति होगी।

इस प्रकार के अनेक उदहारण वीर सावरकर जी के जीवन से हमें मिलते है जिससे दलित उद्धार के विषय में उनके विचारों को, उनके प्रयासों को हम जान पाते हैं। सावरकर जी के बहुआयामी जीवन के विभिन्न पहलुयों में से सामाजिक सुधारक के रूप में वीर सावरकर को स्मरण करने का मूल उद्देश्य दलित समाज को विशेष रूप से सन्देश देना है। जिसने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए सवर्ण समाज द्वारा अछूत जाति के लिए गए सुधार कार्यों की अपेक्षा कर दी है। और उन्हें केवल विरोध का पात्र बना दिया हैं।

वीर सावरकर महान क्रांतिकारी श्याम जी कृष्ण वर्मा जी के क्रांतिकारी विचारों से लन्दन में पढ़ते हुए संपर्क में आये थे। श्यामजी कृष्ण वर्मा स्वामी दयानंद के शिष्य थे। स्वामी दयानंद के दलितों के उद्धार करने रूपी चिंतन को हम स्पष्ट रूप से वीर सावरकर के चिंतन में देखते हैं।

परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य के आगामी कार्यक्रमः–

1. शनिवार, 3 जून 2017, सायं 5 बजे, आर्य समाज, कबीर बस्ती, दिल्ली.
2. रविवार, 4 जून 2017, प्रातः 11 बजे, आर्य समाज, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
3. रविवार, 4 जून 2017, सायं 5 बजे, आर्य समाज, प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा
4. शनिवार, 10 जून 2017, सायं 5 बजे, ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर–44, नोएडा, उत्तर प्रदेश
5. रविवार, 11 जून 2017, प्रातः 10 बजे, डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, बहरोड़, राजस्थान
6. रविवार, 11 जून 2017, सायं 5 बजे, श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, फरीदाबाद, हरियाणा
7. सोमवार, 12 जून 2017, सायं 4 बजे, दयानन्द विद्यालय, पातली गेट, पलवल, हरियाणा
8. रविवार, 18 जून 2017, प्रातः 11 बजे,ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा, उत्तर प्रदेश
9. मंगलवार, 20 जून 2017, सायं 3 बजे, डी.सी.सी.सै.स्कूल, जीन्द, हरियाणा
10. रविवार, 25 जून 2017, प्रातः 11 बजे, जी.एल.सैनी, नर्सिंग कालेज, जयपुर, राजस्थान
11. रविवार, 2 जुलाई 2017, प्रातः 10 बजे, आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् के तत्वावधान में ''आर्य कन्या शिविर'' सोल्लास सम्पन्न

वैदिक विद्वान आचार्य विजयभूषण आर्य व डा.सुषमा आर्या का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,अर्चना पुष्करना,अनिता आनन्द,महेन्द्र भाई,अनिता कुमार,हर्षा आर्या,माता कृष्ण बाला व प्रदेश अध्यक्षा उर्मिला आर्या व सामने बालिकायें योगासन करते हुए।

रविवार, 28 मई 2017,केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में गत रविवार, 21 मई से आर्य समाज सन्देश विहार,दिल्ली में चल रहे ''आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर'' का सोल्लास समापन हो गया। शिविर में आठ दिन 117 बालिकाओं ने योगासन, लाठी, तलवार, जूडो कराटे, संध्या यज्ञ, भजन, डम्बल, लेजियम, आत्म रक्षा शिक्षण प्राप्त किया। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारवान नारी अच्छे समाज का निर्माण करती है। बौद्विकाध्यक्ष आचार्य विजय भूषण आर्य ने वैदिक सिद्वान्तों की जानकारी प्रदान की व संगीत की शिक्षा दी। डा.सुषमा आर्या, डा. रचना चावला, प्रधाना सीमा कपूर, आर्य तपस्वी सुखदेव जी, श्री व गौरव आनन्द आदि अपने विचार दिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद मीनाक्षी बेनीवाल, वन्दना जेतली, शशि जेतली, चित्रा विद्यार्थी, शालिनी गुप्ता, माता कृष्ण बाला, देवेन्द्र मितल, प्रि. अन्जू महरोत्रा, प.ज्ञान जी, सुषमा शर्मा, आदर्श सहगल, अल्का अग्रवाल, सुरेश आर्य, मनीषा ग्रोवर, विनोद कालरा, नरेश खन्ना, ओम सपरा,ध र्मपाल आर्य, सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता, कृष्णचंद पाहुजा, सोहनलाल मुखी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता प्रान्तीय महिला सभा की महामंत्री रचना आहुजा ने की। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता के निर्देशन में शिक्षिकाओं मनीषा, प्रगति गुप्ता, काजल, नेहा, करूणा आदि ने शिक्षण प्रदान किया। राष्ट्रीय मंत्री दुर्गेश आर्य,प्रधान डा. विशाल आर्य, मंत्री देवमित्र आर्य, अनिता आनन्द, सुमन नागपाल, इन्द्रा आहुजा, निर्मल जावा, प्रभा आर्या, विजेन्द्र आनन्द, वरूण आर्य का शिविर को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा।

हापुड़ में आर्य कन्या शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

श्री नरेन्द्र आर्य का स्वागत करते महेन्द्र भाई,रामकुमार आर्य,प्रधान आनन्दप्रकाश आर्य,विकास अग्रवाल,प्रवीन आर्य,पूनम आर्य आदि। सामने बालिकायें कराटे प्रदर्शन करते हुए।

मंगलवार, 30 अप्रैल 2017, आर्य समाज, हापुड़ के तत्वावधान में गत 23 मई से चल रहे आर्य कन्या इन्टर कालेज में आर्य कन्या शिविर का सफलता पूर्वक समापन हुआ।

बहिन पूनम व प्रवेश आर्या ने कुशल मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रधान आनन्दप्रकाश आर्य, मंत्री नरेन्द्र आर्य, विकास अग्रवाल, रामपाल आर्य, माया आर्य, रेखा गोयल, अल्का अग्रवाल, विद्यालय प्रबन्धक वेद भूशण, विधायक विजयपाल आढ़ती आदि उपस्थित थे। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश जी ने आशीर्वाद प्रदान किया।

आर्य समाज,नगर शाहदरा व सरस्वती विहार का उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 28 मई 2017,आर्य समाज,नगर शाहदरा,पूर्वी दिल्ली का 62 वां वार्षिकोत्सव सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रचारक धर्मपाल आर्य के भजन हुए व आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया। चित्र में–विशिष्ट अतिथि डा.अनिल आर्य को सम्मानित करते संजय आर्य,यशोवीर आर्य,राजीव कोहली व महेन्द्र भाई । द्वितीय चित्र–आर्य समाज,सरस्वती विहार,दिल्ली का उत्सव सम्पन्न हुआ। चित्र में–गायक सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन(जालन्धर) का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,मंत्री अरूण आर्य,नन्दकिशोर गुप्ता आदि । प्रधान श्री ओमप्रकाश मनचंदा ने आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज के कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम

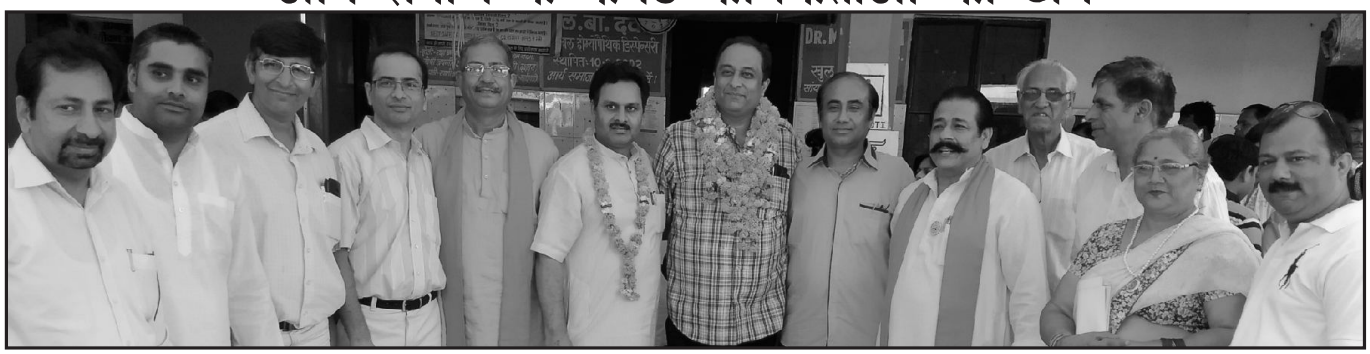

आर्य कन्या शिविर के समापन पर आर्य समाज सन्देश विहार में कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम बांये से राजीव आर्य,यशपाल आर्य,संजय सपरा,विजय आर्य,महेन्द्र भाई,दिनेश पथिक,देवेन्द्र भगत,सुरेश आर्य,डा.अनिल आर्य,जितेन्द्र डावर,रवि राणा,स्वर्णा आर्या व संजय आर्य । छायाकार दुर्गेश आर्य।

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

उद्घाटन समारोह

अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल जन्मोत्सव

शनिवार, 10 जून 2017, सायं 5 से 7:30 बजे तक

स्थान : ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44, नोएडा

मुख्य अतिथि

श्री अतुल गर्ग (खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश)

अध्यक्षता : श्री आनन्द चौहान जी (निदेशक, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

ध्वजारोहण : ठाकुर विक्रम सिंह जी (अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी)

मुख्य वक्ता : डॉ. सत्यपाल सिंह जी (संसद सदस्य व वैदिक विद्वान, पूर्व कमिश्नर मुम्बई पुलिस)

विशिष्ट अतिथि : श्री पंकज सिंह (विधायक, नोएडा)
श्री मायाप्रकाश त्यागी (कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक सभा)
श्री बिजेन्द्रसिंह आर्य (आर्य दीप पब्लिक स्कूल)
श्री वीरेश भाटी (प्रधान जिला सभा गौतमबुद्ध नगर)
श्री धर्मवीर प्रधान जी (गौतम बुद्ध नगर)

गरिमामय उपस्थिति

• कै. रूद्रसेन सिन्धु	• श्री नवीन रहेजा	• श्री सुभाष आर्य
• श्री सुरेन्द्र कोहली	• चौ. ब्रह्मप्रकाश मान	• श्री रविदेव गुप्ता
• राव हरिशचन्द आर्य	• श्री अशोक जेठी	• श्री संजय सिंघल
• डॉ. संजय महेन्दु	• प्रि. अन्जु महरोत्रा	• श्री संजीव सेठी
• श्री पुनीत मल्होत्रा	• श्री के.एल. वर्मा	• सुश्री सरोजनी दत्ता
• श्री श्रद्धानन्द शर्मा	• श्री अरुण अग्रवाल	• श्री सत्यवीर चौधरी
• श्री रामलुभाया महाजन	• श्री अमरनाथ गोगिया	• माता शीला ग्रोवर
• श्रीमती रमेश कु. भारद्वाज	• डॉ. विनोद खेत्रपाल	• श्री रविन्द्र मेहता
• श्री जितेन्द्र नरूला	• श्री ओम सपरा	• श्री विजय कपूर
• श्री तिलक चांदना	• श्री सुरेन्द्र शास्त्री	• श्री ओमप्रकाश जैन
• श्री ईशकुमार गक्खड़	• श्री चत्तरसिंह नागर	• श्रीमती पुष्पलता वर्मा
• श्री राजेश मेहन्दीरत्ता	• श्री वेदप्रकाश	• श्री सुरेन्द्र मानकटाला
• सीमा-रोहित ढींगरा	• ओमप्रकाश अरोड़ा	• अनिल आर्य (मुरारी ब्रद.)

मधुर भजन : सरदार सुरेन्द्र सिंह गुलशन (जालन्धर)

ऋषि लंगर : रात्री 7:30 से 8:30 बजे तक

॥ ओ३म् ॥

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

दीक्षा व भव्य समापन समारोह

रविवार, 18 जून 2017, प्रातः 11 से 1.30 बजे तक

स्थान : ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर-44, नोएडा

मुख्य अतिथि

डॉ. महेश शर्मा जी (केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार)

स्वामी सुमेधानन्द जी (संसद सदस्य)

अध्यक्षता : डॉ. अशोक कुमार चौहान जी (संस्थापक अध्यक्ष, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

आशीर्वाद : डॉ. श्रीमती अमिता चौहान जी (चेयरपरसन, ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल्स)

ध्वजारोहण : श्री राजीव कुमार परम (चेयरमैन, परम डेयरी ग्रुप)

विशिष्ट अतिथि : श्री दर्शन कुमार अग्निहोत्री (अध्यक्ष, वैदिक साधन आश्रम)
डॉ. लाजपतराय आर्य चौधरी (करनाल)

गरिमामय उपस्थिति

• श्री अरूण बंसल	• श्री सत्यानन्द आर्य	• डॉ. जयेन्द्र आचार्य
• श्री के.एस. यादव	• श्री अविनाश बंसल	• श्री प्रभात शेखर
• श्री प्रदीप तायल	• श्री प्रवीण तायल	• श्री सुधीर सिंघल
• पं. रामगोपाल शर्मा	• श्री राजीव चौधरी	• श्री विजय आहूजा
• श्री महेन्द्रसिंह आर्य	• श्री के.एल. पुरी	• श्री रामकुमार भगत
• श्री धर्मपाल सिब्बल	• श्री राजेन्द्र लाम्बा	• श्रीमती नीता खन्ना
• श्री अशोक सिब्बल	• श्री सुनील अग्निहोत्री	• श्री महेन्द्र मनचन्दा
• श्रीमती सुनीता बुग्गा	• श्री टी. आर. मित्तल	• श्री मदनलाल आर्य
• श्री रवि चड्डा	• श्री धर्मदेव खुराना	• श्री यशपाल चावला
• श्री प्रियव्रत आर्य	• श्री रामेश्वर गोयल	• श्री अशोक सरदाना
• श्री विकास अग्रवाल	• श्री नरेन्द्र कालरा	• श्री अजेय जिन्दल
• श्री सुरेन्द्र गुप्ता	• श्री भारतभूषण साहनी	• श्री रमेश गाडी
• श्री रणसिंह राणा	• श्री कस्तूरीलाल मक्कड़	• श्री संजीव सिक्का
• श्रीमती सुषमा अरोड़ा	• श्री सोहनलाल मुखी	• श्री रामकृष्ण तनेजा
• श्री सुभाष चांदला	• श्री अमित मान	• श्री जितेन्द्र डावर
• श्रीमती विजयारानी शर्मा	• श्री राजेन्द्र खारी	• श्री पीतमकुमार गुप्ता
• श्री जवाहर भाटिया	• श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	• श्री अशोक सहदेव

आर्य युवकों द्वारा भव्य व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम होंगे

ऋषि लंगर : दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय शिविर : ऐमिटी सैक्टर–44,नोएडा में आमन्त्रित विद्वान दैनिक प्रातः 11.30 से 12.30 बजे तक एवम् बौद्विक से पूर्व प्रातः 10.30 से 11.30 तक ''सरदार सुरेन्द्रसिंह गुलशन(जालन्धर)'' के प्रेरणास्पद् भजन होंगे।

1.	दिनांक 11 जून 2017 –	डा.सुनील एम. रहेजा	विषयः ''आधुनिक जीवन शैली का स्वास्थ्य पर प्रभाव''
2.	दिनांक 12 जून 2017 –	आचार्य वीरेन्द्र विक्रम	विषयः ''युवकों में ईश भक्ति व देश भक्ति की भावना''
3.	दिनांक 13 जून 2017 –	आचार्य योगेन्द्र शास्त्री	विषयः''जीवन में व्यापत पाखण्ड,अंधविश्वास,कुरीतियों का निवारण''
4.	दिनांक 14 जून 2017 –	आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	विषयः ''महर्षि दयानन्द व आर्य समाज की मान्यतायें''
5.	दिनांक 15 जून 2017 –	आचार्य महेन्द्र भाई	विषयः ''परिषद् की स्थापना,उदेश्य,भावी कार्यक्रम''
6.	दिनांक 16 जून 2017 –	डा.महेश विद्यालंकार	विषयः ''जीवन में आध्यत्मिकता,धर्म,नैतिकता का महत्व''
7.	दिनांक 17 जून 2017 –	डा.जयेन्द्र आचार्य	विषयः ''युवकों में सर्वगुणों की प्राप्ती''

सभी शिविरार्थी ध्यान दें–

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय शिविर ऐमिटी स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा में भाग लेने वाले सभी आर्य युवक शनिवार, 10 जून 2017 को दोपहर 12 से 1 के बीच शिविर स्थल पर रिपोर्ट करें, पंजीकरण रविवार, 4 जून 2017 तक करवाना अनिवार्य है अन्यथा शिविर में प्रवेश नहीं हो पायेगा

–डा.अनिल आर्य,राष्ट्रीय अध्यक्ष

अर्जुनदेव चड्डा प्रधान निर्वाचित

आर्य समाज, विज्ञान नगर, कोटा, राजस्थान के चुनाव में श्री अर्जुनदेव चड्डा–प्रधान, श्री सुनील दूबे–मंत्री, श्री महेन्द्रपाल शर्मा–काषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। युवा उद्घोश की ओर से बधाई।

आर्य नेत्री सुदेश कपूर का निधन

आर्य समाज, सन्देश विहार, दिल्ली के कोषाध्यक्ष श्री जसवंतसिंह कपूर की धर्मपत्नि श्रीमती सुदेश कपूर का निधन हो गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से विनम्र श्रद्धाजलि ।

अपीलः यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. **10205148690** स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ.एस.कोड **-SBIN0001280** पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9868002130** पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। – डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970